3. यह क्या कह रहे हो बेटे ? मेरे रहते विदा न हो यह कभी नहीं हो सकता | मैं माँ हूँ, माँ के दिल को समझती हूँ | जिस तरह उतावली होकर मैं गौरी की राह देख रही हूँ, उसी तरह तुम्हारी माँ भी कमला की राह देख रही होंगी | नहीं, विदा ज़रूर होगी | तुम अकेले नहीं जाओगे | (कमर से कुंजियों का गुच्छा निकालकर कमला की ओर बढाती हुई) जा बेटी, तिजोरी से रूपए निकाल ला |

a. प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है और वह गौरी की राह क्यों देख रही है ?

उत्तर – प्रस्तुत कथन का वक्ता जीवनलाल की पत्नी और कमला की सास राजेश्वरी है | वह अपनी बेटी गौरी की राह इसलिए देख रही है क्योंकि गौरी शादी के बाद सावन खेलने की रस्म पूरी करने के लिए पहली बार मायके आ रही है |

b. राजेश्वरी प्रमोद को रूपए क्यों देना चाहती है ?

उत्तर – राजेश्वरी प्रमोद को रुपये इसलिए देना चाहती है ताकि वह रूपए प्रमोद उसके पति जीवनलाल को दे दे और अपनी बहन कमला को ख़ुशी ख़ुशी विदा कराकर ले जाए |

c. राजेश्वरी अपने पति जीवनलाल के विरुद्ध जाकर कमला की विदा करवाना क्यों चाहती है ?

उत्तर – राजेश्वरी एक दयालु और अच्छे ह्रदय वाली महिला है | वह अपने पति की बुराइयों में उसका साथ नहीं देती बल्कि उसका विरोध करती है | राजेश्वरी का पति जीवनलाल दहेज़ के लालच में कमला की विदाई नहीं होने दे रहा है परन्तु राजेश्वरी जानती है कि यह गलत है इसलिए वह चाहती है कि कमला की विदाई ख़ुशी ख़ुशी हो जाए |

d. कमला और गौरी अपने अपने मायके किस कारण से आ रही हैं ?

उत्तर - कमला और गौरी दोनों के विवाह के बाद पहला सावन पड़ा है | सावन के महीने में

लडकियाँ अपने मायके आती हैं और कुछ दिन रहती हैं | यह रस्म है और इसी रस्म को पूरा

करने के लिए कमला और गौरी दोनों को अपने अपने मायके आना है |

4. आ गई मेरी गौरी ! (राजेश्वरी से) अरे, खड़ी खड़ी मेरा मुँह क्या देख रही हो ? अन्दर से मिठाई की थाल लाओ | राजेश्वरी उसी प्रकार खड़ी रहती है | उसकी दृष्टि बाहर वाले द्वार की ओर है | प्रमोद भी उसी ओर देख रहा है | अन्दर वाले द्वार के पर्दे की ओट में कमला खड़ी है | बाहर से उसका हाथ दिखाई पड़ रहा है |जीवनलाल बड़े उत्साह से द्वार की ओर बढ़ते हैं | तभी बाहर से रमेश आता है | इकहरे बदन का सुन्दर नवयुवक है वह | पैंट और कमीज़ पहने है | हाथ में बरसाती कोट है | चेहरे पर उदासी के चिह्न हैं | बरसाती कोट कोच पर रखकर चुपचाप खड़ा हो जाता है |

a. रमेश के चेहरे पर उदासी के चिह्न क्यों हैं ?

उत्तर – रमेश अपनी बहन गौरी को शादी के बाद पहली बार विदा कराने उसके ससुराल गया था परन्तु उसके ससुराल वालों ने गौरी को नहीं भेजा इसलिए उसके चेहरे पर उदासी के चिह्न हैं |

b. रमेश के साथ गौरी क्यों नहीं आई ?

उत्तर – रमेश गौरी को लेने गया था परन्तु उसके ससुराल वालों ने उसे नहीं भेजा | उनका कहना था कि रमेश के घरवालों ने गौरी की शादी में उनकी हैसियत के अनुरूप दहेज़ नहीं दिया इसलिए उन्होंने गौरी को रमेश के साथ नहीं भेजा |

c. गौरी के आने की बात सुनकर भी राजेश्वरी यथावत क्यों खड़ी रहती है ?

उत्तर – राजेश्वरी अपनी बहू कमला की विदा न करा पाने के कारण दुखी थी और दुःख की उस अवस्था में वह एक जगह हताश होकर खड़ी दरवाजे की ओर देख रही थी |

d. पाठ के आधार पर बताइए कि कमला और गौरी की मुख्य समस्या क्या है ?

उत्तर – कमला और गौरी की मुख्य समस्या दहेज़ के लोभी लोग हैं | उन दोनों की शादियों में उनके परिवार वालों ने अपनी हैसियत के अनुरूप अच्छा दहेज़ दिया और धूमधाम से शादी की लेकिन लालच की तो कोई सीमा नहीं होती इसलिए इतना दहेज़ दिए जाने के बाद भी इनके ससुराल वाले इनसे संतुष्ट नहीं हैं |